कुमार जीवन - 62

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **"चैरिटी बिगन्स एट होम"** का काम ज़्यादा किया है। हमजिन्स को जगाया है। कुमार-कुमारियों का अच्छा कल्याण हो रहा है। इस जीवन में अपने जीवन का श्रेष्ठ फैसला करना होता है। अपनी जीवन बना ली तो सदा के लिए श्रेष्ठ बन गये। **उल्टी सीढ़ी चढ़ने से बच गये।** बापदादा खुश होते हैं कि एक दो से अनेक दीपक जग "दीपमाला" बना रहे हैं। उमंग-उत्साह अच्छा है। सेवा में बिजी रहने से उन्नति अच्छी कर रहे हैं।

(01-03-1986)

➢➢ Charity Begins At Home

➳ _ ➳ Love Begins At Home

➳ _ ➳ Peace Begins At Home

➳ _ ➳ Bliss Begins At Home

➳ _ ➳ Change Begins At Home

➳ _ ➳ स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन

→ जितना मैं शांत स्वरुप हूँ

- उतनी ही शांति पूरे विश्व में फैलेगी

➢➢ आप कितने पानी में हो ?

➳ _ ➳ यदि किसी देहधारी के प्रति आकर्षण हो रहा है तो

→ स्वयं में अलोकिकता की कमी है

→ स्वयं में ज्ञान की पूरी समझ नहीं है